GOVERNMENT OF HARYANA / हरियाणा सरकार
Directorate School Education
विद्यालय शिक्षा निदेशालय
शिक्षा, संस्कृति एवं विकास
Education, Culture and Development
School Education, Haryana
विद्यालय शिक्षा, हरियाणा
तमसो मा ज्योतिर्गमय
Lead me from Darkness to Light

Off.: Shiksha Sadan, Sector 5, Panchkula, Haryana 134109 (India) - Tel: 91(0172)-2560246 Fax: 91(0172)-2560253
कार्यालयः शिक्षा सदन, सैक्टर 5 पंचकुला–134109 (भारत) दूरभाष : 91 (0172) 2560246 फैक्सः 91 (0172) 2560253
e-mail: edusecondaryhry@gmail.com - site: www.schooleducationharyana.gov.in

हरियाणा सरकार
स्कूल शिक्षा विभाग
आदेश

G.O. No. 1/17-2016 ACD (4) **Dated, Chandigarh, the**

विषयः– 14 नवम्बर बाल दिवस के उपलक्ष्य में **सभी जिलों व सभी खण्डों में "Saturday: Joyful Activity Day"** के **आरम्भ बारे।**

स्कूल शिक्षा पर किये गये अनेक राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय शोध यह सलाह देते हैं कि स्कूलों को शिक्षण का केन्द्र बनाने के लिए स्कूल वातावरण का आनन्दपूर्वक रूचीकर तथा भयमुक्त होना अति आवश्यक है। विद्यार्थी और अध्यापक के सम्बन्ध, स्कूल के प्रति विद्यार्थी का जुड़ाव एवं समर्पण, स्कूल वातावरण को शिक्षण उन्नमुख बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। Joyful Learning विद्यालयों में आरम्भ करने के उद्देश्य ये हैं कि प्रत्येक विद्यार्थी की विलक्षण प्रतिभा की पहचान की जाए, उसकी प्रतिभा को निखारा जाए, उसे सही दिशा प्रदान करते हुए पोषित और सिंचित किया जाए, उसमें व्यक्तित्व के गुणों को भरा जाए, इस प्रकार का वातावरण उपलब्ध करवाया जाए जिससे विद्यार्थी अपने परिवेश के प्रति जागरूक हो, समाज के प्रति अपने दायित्व को समझे और जीवन में अंगीकार करें, अपनी कला, राष्ट्रीय धरोहरों/सम्पत्तियों, संस्कृति एवं संस्कारों के प्रति लगाव पैदा हो।

खेल एवं प्रतिस्पृधा, प्रश्नोत्तरी एवं वाद विवाद प्रतियोगिता, विभिन्न कौशलों का विकास एवं उपयोग, सामाजिक सरोकार के विभिन्न विषय, सामाजिक कुरीतियों एवं अन्ध विश्वासों बारे जागरूकता एवं समझ के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अभिव्यक्ति की दक्षता, स्वास्थय एवं स्वच्छता आदि ऐसे विषय हैं जिनको स्कूल शिक्षा में महत्व दिया जाना अति आवश्यक है क्योंकि यही मुख्य बिन्दू विद्यार्थी को श्रेष्ठ नागरिक एवं सभ्य सामाजिक प्राणी बनाने में सहायक होंगें। समयकाल और औद्योगिक क्रान्ति के मध्यनजर समाज में वांछित बदलावों के प्रति उसका सकारात्मक दृष्टिकोण एवं बदलाव की पहल करने की दक्षता एवं क्षमता का विश्वास करना है।

NCF 2005 के आलोक में विद्यार्थियों को बाल मित्रवत् स्कूल वातावरण उपलब्ध करवाने तथा 'करके सीखने' Learning by Doing के आदर्श को साकार करने, विद्यार्थियों में संस्कारों के प्रति आदर, सामाजिक मूल्यों के प्रति समझ पैदा करने तथा अभिव्यक्ति की क्षमता का वर्धन करने के लिए विद्यालय शिक्षा विभाग द्वारा निर्णय लिया गया है कि दिनांक 14.11.2016 से राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में प्रत्येक शनिवार को (द्वितीय शनिवार को छोड़कर) "Saturday: Joyful Activity Day" का आयोजन किया जाएगा। इस निर्णय अनुसार शनिवार को स्कूल समय सामान्य दिनों की भांति होगा और स्कूल में केवल सहपाठ्य क्रियाएं ही करवाई जाएंगी। इसके लिए प्रत्येक विद्यालय अपनी–अपनी क्षमता, आवश्यकता, अनिवार्यता, रूचि, संसाधनों के अनुरूप प्रत्येक शनिवार का Time Table तैयार करेगा तथा यह Time Table कलस्टर विद्यालय/BEO कार्यालय को भी भिजवाएगा।

Suggested Joyful Activities

Sr. No.	Activities	Sr. No.	Activities
1.	Sports activities (Indoor/Outdoor)	26.	Power Point Presentation
2.	Musical activities/Antakshari	27.	Toys & Soft Toys making
3.	Drama, Play	28.	Soap, Chalk making
4.	Clay Modeling & Sand Art	29.	Basket, Changeri making
5.	Art, Sculpture making	30.	Organization exhibitions
6.	Carom & Chess Club	31.	Celebration of festival
7.	Hand Writing & Painting	32.	Book Binding
8.	Debate and discussion	33.	Glass Painting

9.	Declamation	34.	Class room Painting
10.	Story & Creative writing	35.	Card Board Work
11.	Essay writing	36.	Wood & Leather Work
12.	Art craft, Cottage craft	37.	Wooden Crafting
13.	Recitation competition	38.	Plantations
14.	Wall/School Magazine	39.	Eco Club & Environment
15.	Folk Art	40.	Hand Wash & Hygiene
16.	Folk songs, Folk dance	41.	Knitting, Embroidery, Weaving
17.	Horticulture and Gardening	42.	Balika Munch
18.	Flower show and Puppet Show	43.	Water & Sanitation Management
19.	School and Classroom decoration	44.	Cutting and Tailoring
20.	Labs maintenence, Cleaning	45.	Pickle and Jam Making
21.	Fancy dress competition	46.	Cooking & Preserving
22.	Preparation of chart & models	47.	Rangoli & Wall painting
23.	Photography, Album making	48.	Public awareness and Excursion Tour
24.	Yoga & Meditation	49.	"Dustak" initiative for social awareness
25.	Computer & ICT activities	50.	Map & Encyclopaedia

नोटः– उपरोक्त गतिविधियों के अतिरिक्त विद्यालय मुखिया एवं अध्यापक आवश्यकतानुसार, वातावरणानुसार, उपलब्धता अनुसार अन्य बाल मित्रवत् सहपाठ्य गतिविधियां करवाने के लिए स्वतंत्र हैं।

"Saturday: Joyful Activity Day" के आयोजन हेतु दिशा–निर्देशः–

1. सभी स्कूल प्रति मास शनिवार का Time Table अलग से तैयार करेंगें तथा BEO कार्यालय के साथ–साथ सभी बच्चों को भी अवगत करवाते हुए कक्षा–कक्ष में भी लगाएंगें।
2. इस Time Table की तैयारी में स्कूल की वर्तमान क्षमताओं, सीमाओं, पहले से ही चल रही अनेक योजनाओं इत्यादि को मध्य नजर रखा जाएगा।
3. इसके लिए कोई अतिरिक्त प्रशिक्षक अथवा धन राशि विभाग द्वारा उपलब्ध नहीं करवाई जाएगी। यह स्कूल में उपलब्ध संसाधनों पर आधारित होगा।
4. स्कूल सामान्य दिनों की भांति ही खुलेगा और बन्द होगा अर्थात स्कूल समय में CCA (Co-Curricular Activities) के लिए कोई अतिरिक्त बदलाव नहीं है। यह स्पष्ट करना भी प्रासंगिक होगा कि प्रत्येक दूसरे शनिवार को पूर्व की भांति अवकाश रहेगा।
5. स्कूल इस दिन का प्रयोग बच्चों में सहपाठ्य–क्रियाओं के विकास के लिए, समुदाय के साथ सांझेदारी बढ़ाने के लिए, अनेक राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी की तैयारी के लिए तथा वर्तमान में चल रहे क्लब जैसे – Science Club, Maths. Club, Quiz Club, Carrom Club, Eco Club, Red Ribbon Club, Adventure Club, Legal Literacy Club, Chess Club, Disaster Preparedness Club, Scouts and Guides, NCC, NSS, Cub Bulbul, युवा प्रेरक समूह, बालिका मंच आदि के बेहतर क्रियान्वयन के लिए करेगा।
6. सभी अध्यापक अपनी–अपनी कक्षा/विषय के अनुसार गतिविधियों का चयन करके दैनिक समय–सारणी में समन्वय करके सभी बच्चों के साथ आयोजित करेंगे। इन गतिविधियों के दौरान सुरक्षा, सहभागिता, सदभाव तथा अनुशासन का पूरा ध्यान रखा जाएगा।
7. सहपाठ्य क्रियाओं के आयोजन के लिए विद्यार्थियों को (विशेषकर CWSN विद्यार्थियों) उनकी रूचि, क्षमता, दक्षता एवं कौशल के आधार पर विकल्प उपलब्ध करवाना स्कूल मुखिया और कक्षा अध्यापक का संयुक्त दायित्व होगा, सभी विद्यार्थियों की सहभागिता अति अनिवार्य है।
8. विद्यार्थियो के वर्ग, कक्षा के आधार/रूचि के आधार/प्रतिभा और गुणों के आधार/स्कूल स्तरीय सदन (House) के आधार पर बनाये जा सकते हैं।
9. सभी प्रकार की सह पाठ्य क्रियाओं से सम्बन्धित विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन अब शनिवार को ही होगा।
10. प्रार्थना सभा के दौरान सप्ताह भर के मुख्य समाचारों/घटनाओं (क्षेत्रीय/राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय) पर 20 मिनट का विशलेषण/व्याख्यान कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा जिसमें बच्चे प्रस्तुति देंगें व अध्यापक मार्गदर्शन करेंगे।

11. **"Saturday: Joyful Activity Day"** को अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त सभी कक्षाओं के विद्यार्थी 1 घण्टा अपने कक्षा–कक्ष की साफ–सफाई एवं साज–सज्जा तथा विद्यालय परिसर की सफाई को देंगें।
12. प्रत्येक मास कम से कम एक घण्टा सामाजिक कार्यो को भी दिया जाएगा जैसे स्वच्छता कार्यक्रम एवं अन्य ऐसे सन्देश जो एकता, अखण्डता, सदभाव, भाईचारे की मजबूती पर आधारित हों या बिमारियों की रोकथाम जैसे कुपोषण आदि।

अध्यापक इसमें संयोजक की भूमिका में रहेंगें और बेहतर समन्वय स्थापित करेंगे। एक अच्छे योजनाकार पूरे दिन के कार्यक्रम को व्यवस्थित और सुनियोजित रूप में क्रियान्वित करेंगें। हर अध्यापक, निर्देशक, मूल्यांकनकर्ता, प्रबन्धक, निर्णायक,, सलाहकार, पथ प्रदर्शक, सन्देश वाहक की भूमिका निभायेगा तथा बच्चों को आनन्दपूर्वक शिक्षा ग्रहण करने में मार्ग निर्देशित करेगा। सभी सम्बन्धित अधिकारी, स्कूल मुखिया **"Saturday: Joyful Activity Day"** को पूर्णता से क्रियान्वित करेंगें।

हस्ता0
(वीरेन्द्र सिंह सहरावत)
संयुक्त सचिव विद्यालय शिक्षा विभाग
हरियाणा, पंचकूला

पृष्ठांकन क्रमांक समः दिनांक, पंचकूला

इसकी एक प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैः–

1. निजि सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, विद्यालय शिक्षा हरियाणा, चण्डीगढ़।
2. निजि सचिव, निदेशक मौलिक शिक्षा हरियाणा, पंचकूला।
3. निजि सचिव, राज्य परियोजना निदेशक, हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् पंचकूला।
4. राज्य के सभी जिलों के उपायुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त।
5. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुड़गांव।

(वीरेन्द्र सिंह सहरावत)
संयुक्त सचिव विद्यालय शिक्षा विभाग
हरियाणा, पंचकूला